

विजयेंद्र का कांग्रेस पर वित्तीय मदद का आरोप, सूखे और गन्ना किसानों की समस्याओं पर भी उठाए सवाल

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com चित्रदुर्ग,17 अक्टूबर 2026। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कांग्रेस पर कॉकरोच जनता पार्टी (केजेपी) को वित्तीय सहायता देने का आरोप लगाते हुए मामले की जांच की मांग की है। उन्होंने राहुल गांधी पर राजनीतिक अस्थिरता और भ्रम पैदा करने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया। इसके साथ ही विजयेंद्र ने स्टिंग ऑपरेशन की निष्पक्ष जांच, मैसूर दशहरा में कथित अव्यवस्थाओं, सूखे की स्थिति और गन्ना किसानों की समस्याओं को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की। मीडिया से बातचीत के दौरान विजयेंद्र ने कहा कि कांग्रेस नेताओं के बयानों के आधार पर केजेपी और अन्य संगठनों को वित्तीय सहायता दिए जाने को लेकर सवाल उठते हैं। उन्होंने विदेशी स्रोतों से भी वित्तीय मदद मिलने का आरोप लगाया। हालांकि, इन आरोपों के समर्थन में उपलब्ध जानकारी में कोई स्वतंत्र प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसलिए इन दावों की पुष्टि संबंधित दस्तावेजों और जांच के आधार पर ही हो सकती है विजयेंद्र ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक संगठन को वैध तरीके से अपनी

डांडिया-गरबा की उमंग में सजी नवरात्रि की शाम, मां दुर्गा की आराधना का दिया संदेश

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com बेंगलुरु,17 अक्टूबर 2026। बेंगलुरु के केंगेशी स्थित सेंट एंथोनी महाविद्यालय में नवरात्रि के उपलक्ष्य में अभ्युदय कल्चरल अकादमी की ओर से डांडिया–गरबा रास स्पर्धा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने पारंपरिक नृत्य के माध्यम से नवरात्रि के उत्त्लास और सांस्कृतिक परंपराओं को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपने संबोधन में कहा कि नवरात्रि



सनातन संस्कृति का ऐसा पर्व है, जिसमें अनादि काल से शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा के नौ रूपों की आराधना की जाती रही है। यह पर्व शक्ति, आस्था और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। उन्होंने नवरात्रि के सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व को रेखांकित करते हुए भारतीय परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन की भावना पर प्रकाश डाला। डांडिया और गरबा जैसे पारंपरिक नृत्य नवरात्रि के उत्सव को सामूहिक उत्त्लास से जोड़ते हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को भारतीय सांस्कृतिक विरासत से परिचित होने तथा पारंपरिक उत्सवों में सहभागिता का अवसर मिलता है। इस अवसर पर आयोजकों ने मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत का सम्मान किया। कार्यक्रम के माध्यम से नवरात्रि की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति सम्मान का संदेश दिया गया।

मेडी अग्रहारा शेल्टर में आवारा कुत्तों की देखभाल पर जोर, पौष्टिक आहार से टीकाकरण तक की व्यवस्था

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com बेंगलुरु,17 अक्टूबर 2026। बेंगलुरु नॉर्थ सिटी कॉर्पोरेशन का पशुपालन विभाग मेडी अग्रहारा स्थित स्ट्रीट डॉग शेल्टर में रखे गए कुत्तों के स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा पर ध्यान दे रहा है। निगम के अनुसार, लगभग 500 कुत्तों की क्षमता वाले इस आश्रय स्थल में कुत्तों को पौष्टिक भोजन, एंटी-रेबीज टीकाकरण, कृ मिनाशक दवाएं और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह व्यवस्था सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप है। निगम के पशुपालन विभाग की देखरेख में संचालित शेल्टर में कुत्तों के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता दी जा रही है। विभाग के अनुसार, आश्रय स्थल में लाए जाने वाले प्रत्येक कुत्ते के स्वास्थ्य की जांच की जाती है और उसका वजन दर्ज किया जाता है। पशु चिकित्सकों की सलाह तथा निर्धारित दिशा–निर्देशों के अनुसार उन्हें कृ मिनाशक दवाएं और एंटी-रेबीज वैक्सीन दी जाती हैं। बीमार या

है। उनके अनुसार, उम्मीदवारों की सूची केंद्रीय चुनाव समिति को भेजी जाएगी। अंतिम निर्णय पार्टी की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार लिया जाएगा। स्टिंग ऑपरेशन की निष्पक्ष जांच की मांग स्टिंग ऑपरेशन से जुड़े विवाद पर विजयेंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री ने स्वयं कैबिनेट बैठक में

कराकर तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचने की आवश्यकता पर जोर दिया। मैसूर दशहरा में व्यवस्थाओं को लेकर सरकार पर निशाना विजयेंद्र ने मैसूर दशहरा के दौरान पशु मेले में कथित अव्यवस्थाओं पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि पशुओं के लिए पर्याप्त चारे की व्यवस्था नहीं थी और मेले में आए किसानों के भोजन का भी उचित प्रबंध नहीं किया गया। महिला दशहरा में शामिल होने वाली महिलाओं के लिए भोजन की व्यवस्था तथा विजेताओं को पुरस्कार वितरण में भी कमियां होने का दावा किया। उन्होंने मुख्यमंत्री पर इन समस्याओं से ध्यान हटाकर दूसरे मुद्दों में उलझे रहने का आरोप लगाया। हालांकि, इन व्यवस्थागत कठिनाईयों को सरकार से किमायों की वास्तविक स्थिति का स्वतंत्र सत्यापन आवश्यक है। सूखे से प्रभावित किसानों को तत्काल राहत देने की अपील राज्य में गंभीर सूखे की स्थिति का उल्लेख करते हुए विजयेंद्र ने सरकार से

इस मुद्दे को उठाया और सार्वजनिक किया था। उन्होंने मामले में केवल आरोप–प्रत्यारोप तक सीमित रहने के बजाय निष्पक्ष जांच कराने की कमेटी में चर्चा हिरियूर विधानसभा सीट के उपचुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर विजयेंद्र ने बताया कि पार्टी की कोर कमेटी में संभावित उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा हुई



भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com बेंगलुरु,17 अक्टूबर 2026। बेंगलुरु में शारदीय नवरात्र महोत्सव के अंतर्गत श्री वैशाली जनकल्याण दुर्गा पूजा समिति की ओर से शनिवार को महासप्तमी पूजा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुई। सुबह से ही पूजा पंडाल में श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया। मां दुर्गा के जयकारों, शंखनाद, धूप–दीप और वैदिक मंत्रोच्चार से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। पूजा–अर्चना के साथ

भजन–कीर्तन ने आयोजन को

आध्यात्मिक रंग प्रदान किया।

मंत्रोच्चार, आरती और पुष्पांजलि से

भक्तिमय हुआ पंडाल महासप्तमी के

अवसर पर पंडित अजीत झा के

मंत्रोच्चार के बीच मुख मंडल दर्शन,

मंगला आरती और पुष्पांजलि का

उत्साह के साथ संपन्न हुआ। सुबह से

ही पूजा पंडाल में श्रद्धालुओं का आगमन

शुरू हो गया। मां दुर्गा के जयकारों,

शंखनाद, धूप–दीप और वैदिक

मंत्रोच्चार से पूरा परिसर भक्तिमय हो

उठा। पूजा–अर्चना के साथ

प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने

यह भी संकेत दिया कि विधान परिषद

चुनाव के बाद राज्य की राजनीति में

और घटनाक्रम सामने आ सकते हैं।

गन्ना किसानों के आंदोलन को भाजपा

का समर्थन गन्ना किसानों के संघर्ष

और मार्च के बारे में विजयेंद्र ने कहा

कि भाजपा किसानों की मांगों का

समर्थन करती है। उन्होंने बताया कि

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी और

शिवराज सिंह चौहान किसान नेताओं

से मिलकर बातचीत कर चुके हैं।

किसानों की समस्याओं पर विचार

करने के लिए एक समिति गठित

किए जाने का भी उन्होंने उल्लेख

किया। विजयेंद्र के अनुसार, समिति

दशहरे के बाद किसानों से बातचीत

कर उनकी मांगों पर विचार करेगी।

उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों की

समस्याओं का समाधान केवल केंद्र

सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि

राज्य सरकार को भी सक्रिय भूमिका

निभानी चाहिए। किसानों

राजनीतिक आरोपों के बीच सूखा

राहत, दशहरा आयोजन की

व्यवस्थाओं और गन्ना किसानों की

शिकायतों जैसे मुद्दों पर प्रशासनिक

जवाबदेही महत्वपूर्ण बनी हुई है। इन

मामलों में निष्पक्ष जांच, तथ्यों की

पुष्टि और प्रभावित लोगों तक राहत

पहुंचाना सरकार तथा संबंधित

संस्थाओं की प्राथमिकता होनी चाहिए।

अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इस अवसर

पर बिहार से आई भजन मंडली ने

मां दुर्गा की महिमा का गुणगान किया।

मधुर भजनों और भक्ति गीतों से पंडाल

गूँज उठा। श्रद्धालु भक्ति संगीत में

रमते नजर आए। आयोजन में धार्मिक

आस्था के साथ भारतीय संस्कृति और

पारंपरिक पूजा पद्धतियों की झलक

भी देखने को मिली। समिति के

पदाधिकारियों ने संभाली आयोजन

की जिम्मेदारी पूजा कार्यक्रम को

सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में

समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों

ने सहयोग दिया। पूजा अध्यक्ष पंकज

सिंह, ट्रस्ट अध्यक्ष राजकुमार शर्मा,

मुकेश कुमार सिंह, धीरेंद्र सिंह, प्रवीण

पांडेय, ए.के. गुप्ता, गौतम, भोला,

मंगला, नितेश, दिनेश और रवींद्र

सहित अन्य सदस्यों ने पूजा व्यवस्था,

श्रद्धालुओं की सुविधा और कार्यक्रम

के संचालन में योगदान दिया। पूजा

अध्यक्ष पंकज सिंह ने बताया कि

नवरात्र महोत्सव के 18 अक्टूबर

को महाअष्टमी पूजा, 19 अक्टूबर

कचरे के ब्लैक स्पॉट पर निगम का प्रहार, विंड टनल रोड को संवारने में जुटा प्रशासन

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com

बेंगलुरु,17 अक्टूबर 2026। बेंगलुरु में सार्वजनिक स्थलों पर कचरा जमा होने की समस्या से निपटने और शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के उद्देश्य से सेंट्रल म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने विंड टनल रोड और एन.ए.एल. रोड पर विशेष अभियान शुरू किया है।



‘फ्रीडम फ्रॉम वेस्ट’ अभियान के तहत सर सी.वी. रमन नगर डिवीजन के अंतर्गत आने वाले इन मार्गों पर लगभग 700 मीटर क्षेत्र में कचरे के ब्लैक स्पॉट हटाने और दीवारों के सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। सेंट्रल म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के आयुक्त जगदीश जी ने मौके पर पहुंचकर सफाई कार्योंका निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निगम के अधिकार क्षेत्र में कचरा जमा होने वाले स्थानों की पहचान कर उन्हें साफ करने और ऐसे स्थानों पर दोबारा कचरा जमा न होने देने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। आयुक्त ने खुद पेंटिंग कर शुरू किया सौंदर्यीकरण अभियान के दौरान

आयुक्त जगदीश जी ने दीवारों पर पेंटिंग कर सौंदर्यीकरण कार्य की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों को आकर्षक बनाने के साथ नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। इस कार्य में बेंगलुरु ईस्ट म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के विकास विभाग के अतिरिक्त आयुक्त, अग्ली इंडियन



संगठन के अरुण पई तथा सेंट्रल म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के स्वच्छता विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों ने भाग लिया। कचरा फेंकने वाले स्थानों पर दोबारा न बने ब्लैक स्पॉट निरीक्षण के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंके जाने से बनने वाले ब्लैक स्पॉट को स्थायी रूप से समाप्त करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को सफाई के बाद इन स्थानों की नियमित निगरानी करने, दीवारों को सुंदर बनाने और आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं स्वास्थ्यकर बनाए रखने के उपाय करने को कहा गया। अभियान की सफलता के लिए नागरिकों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। सार्वजनिक

स्थानों पर कचरा नहीं फेंकना और निर्धारित स्थानों पर ही कचरे का निपटान करना ऐसे प्रयासों को लंबे समय तक प्रभावी बनाए रखने में मदद कर सकता है। सीमा क्षेत्रों में सड़क और स्ट्रीट लाइट की समस्याएं दूर करने के निर्देश निरीक्षण के दौरान बेंगलुरु सेंट्रल और ईस्ट म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की सीमा से जुड़े क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के समस्याओं पर भी चर्चा हुई। सेंट्रल कॉर्पोरेशन के आयुक्त जगदीश जी और ईस्ट कॉर्पोरेशन की विकास विभाग की अतिरिक्त आयुक्त लोखंडे स्नेहल सुधाकर ने संबंधित अधिकारियों को सड़कों की स्ट्रीट लाइट के रखरखाव, गड्ढों की मरम्मत और अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को जल्द दूर करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सेंट्रल म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के डीजीएम भीमेश नायक, ईस्ट कॉर्पोरेशन के अधिकारी, अग्ली इंडियन संगठन के अरुण पई, स्वयंसेवक और सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे। नगर निगम की इस पहल का उद्देश्य कचरे के जमाव वाले स्थानों को समाप्त करने के साथ सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता, सुंदरता और बुनियादी सुविधाओं में सुधार करना है। अभियान के स्थायी परिणाम इस बात पर निर्भर करेंगे कि सफाई के बाद नियमित निगरानी, कचरा प्रबंधन और नागरिक सहभागिता को कितनी प्रभावी ढंग से बनाए रखा जाता है।

भक्ति के रंग में रंगा बेंगलुरु का दुर्गा पूजा पंडाल, महासप्तमी पर भजन–कीर्तन के बीच उमड़े श्रद्धालु



अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इस अवसर

पर बिहार से आई भजन मंडली ने

मां दुर्गा की महिमा का गुणगान किया।

मधुर भजनों और भक्ति गीतों से पंडाल

गूँज उठा। श्रद्धालु भक्ति संगीत में

रमते नजर आए। आयोजन में धार्मिक

आस्था के साथ भारतीय संस्कृति और

पारंपरिक पूजा पद्धतियों की झलक

भी देखने को मिली। समिति के

पदाधिकारियों ने संभाली आयोजन

की जिम्मेदारी पूजा कार्यक्रम को

सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में

समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों

ने सहयोग दिया। पूजा अध्यक्ष पंकज

सिंह, ट्रस्ट अध्यक्ष राजकुमार शर्मा,

मुकेश कुमार सिंह, धीरेंद्र सिंह, प्रवीण

पांडेय, ए.के. गुप्ता, गौतम, भोला,

मंगला, नितेश, दिनेश और रवींद्र

सहित अन्य सदस्यों ने पूजा व्यवस्था,

श्रद्धालुओं की सुविधा और कार्यक्रम

के संचालन में योगदान दिया। पूजा

अध्यक्ष पंकज सिंह ने बताया कि

नवरात्र महोत्सव के 18 अक्टूबर

को महाअष्टमी पूजा, 19 अक्टूबर

को कुमकुम अभिषेक एवं छप्पन भोग

और 20 अक्टूबर को महानवमी पूजा

आयोजित की जाएगी। 21 अक्टूबर

को विजयादशमी पूजा होगी। इसके

बाद 22 अक्टूबर को दोपहर 12:30

बजे से भव्य शोभायात्रा निकाली

जाएगी, जिसके पश्चात मां दुर्गा की

प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

ट्रस्ट अध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने

बेंगलुरु में रहने वाले श्रद्धालुओं, बिहार

सहित विभिन्न राज्यों से आए प्रवासी

समुदाय के लोगों और धर्मप्रेमियों से

महोत्सव में शामिल होने की अपील

की। उन्होंने आयोजन को सफल

बनाने में सभी के सहयोग को

महत्वपूर्ण बताया। समिति के सचिव

मुकेश सिंह के अनुसार, पूजा में

आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भंडारे

की व्यवस्था भी की गई है, ताकि वे

मां के दर्शन और पूजा–अर्चना के

साथ प्रसाद ग्रहण कर सकें। धार्मिक

आयोजन के साथ स्वास्थ्य जांच

शिविर श्री वैशाली जनकल्याण

दुर्गा पूजा समिति के महोत्सव में

को कुमकुम अभिषेक एवं छप्पन भोग

और 20 अक्टूबर को महानवमी पूजा

आयोजित की जाएगी। 21 अक्टूबर

को विजयादशमी पूजा होगी। इसके

बाद 22 अक्टूबर को दोपहर 12:30

बजे से भव्य शोभायात्रा निकाली

जाएगी, जिसके पश्चात मां दुर्गा की

प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

ट्रस्ट अध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने

बेंगलुरु में रहने वाले श्रद्धालुओं, बिहार

सहित विभिन्न राज्यों से आए प्रवासी

समुदाय के लोगों और धर्मप्रेमियों से

महोत्सव में शामिल होने की अपील

की। उन्होंने आयोजन को सफल

बनाने में सभी के सहयोग को

महत्वपूर्ण बताया। समिति के सचिव

मुकेश सिंह के अनुसार, पूजा में

आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भंडारे

की व्यवस्था भी की गई है, ताकि वे

मां के दर्शन और पूजा–अर्चना के

साथ प्रसाद ग्रहण कर सकें। धार्मिक

आयोजन के साथ स्वास्थ्य जांच

शिविर श्री वैशाली जनकल्याण

दुर्गा पूजा समिति के महोत्सव में

को कुमकुम अभिषेक एवं छप्पन भोग

और 20 अक्टूबर को महानवमी पूजा

आयोजित की जाएगी। 21 अक्टूबर

को विजयादशमी पूजा होगी। इसके

बाद 22 अक्टूबर को दोपहर 12:30

बजे से भव्य शोभायात्रा निकाली

जाएगी, जिसके पश्चात मां दुर्गा की

प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

ट्रस्ट अध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने

बेंगलुरु में रहने वाले श्रद्धालुओं, बिहार

सहित विभिन्न राज्यों से आए प्रवासी

समुदाय के लोगों और धर्मप्रेमियों से

महोत्सव में शामिल होने की अपील

की। उन्होंने आयोजन को सफल

बनाने में सभी के सहयोग को

महत्वपूर्ण बताया। समिति के सचिव

मुकेश सिंह के अनुसार, पूजा में

आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भंडारे

की व्यवस्था भी की गई है, ताकि वे

मां के दर्शन और पूजा–अर्चना के

साथ प्रसाद ग्रहण कर सकें। धार्मिक

आयोजन के साथ स्वास्थ्य जांच

दैनिक समाचार पत्र

भारतार्थ

भारतार्थ खबर

खबर नहीं, उसका अर्थ

देश समाज राजनीति अर्थव्यवस्था विज्ञान संस्कृति कृषि

बेंगलुरु, रविवार , 18 अक्टूबर 2026

प्रादेशिक समाचार

Bhaarataarth.com

4

‘सुविधा के लिए सिद्धांतों से समझौता न करें’, बेंगलुरु में CJI सूर्यकांत का युवा वकीलों को संदेश



भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
बेंगलुरु,17 अक्टूबर 2026। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया युनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) के 34वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में विधि स्नातकों को संबोधित करते हुए न्याय, नैतिकता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कानूनी पेशे में

सफलता के लिए कानूनों और न्यायिक मिसालों का ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि सही बात के पक्ष में खड़े होने का साहस और दूसरों की बात सुनने की विनम्रता भी आवश्यक है। समारोह के दौरान न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि कुछ बाहरी ताकतों के कारण उत्पन्न अनचाही और दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों ने दीक्षांत समारोह को लेकर अनिश्चितता पैदा कर दी थी। कुछ समय के लिए ऐसा लगा कि यह अवसर अपेक्षा के

अनुरूप नहीं हो पाएगा। हालांकि, इन परिस्थितियों के बावजूद समारोह निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित हुआ। इस दौरान स्नातकों को डिग्रियां प्रदान की गईं और शिक्षकों, विशिष्ट अतिथियों तथा विद्यार्थियों के परिजनों ने भाग लिया। न्याय के लिए ज्ञान के साथ साहस भी जरूरी न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने युवा स्नातकों को संबोधित करते हुए कहा कि कानूनी पेशा कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है। इसमें कानून और न्यायिक निर्णयों की गहरी समझ के साथ न्याय की रक्षा करने का साहस भी जरूरी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वकीलों को उन लोगों की आवाज भी सुनी चाहिए, जिन्हें अक्सर समाज में पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि बौद्धिक स्वतंत्रता के लिए निर्भीकता आवश्यक है। निर्णय लेने से पहले सभी पक्षों को सुनना, किसी व्यक्ति को केवल उसकी सामाजिक या व्यक्तिगत स्थिति के आधार पर नहीं आंकना और असहमति जताते समय दूसरे व्यक्ति की गरिमा का सम्मान करना एक ज़िम्मेदार विधि पेशेवर की पहचान है। कानून समाज के साथ निरंतर

विकसित होता है मुख्य न्यायाधीश ने कानून को एक जीवंत व्यवस्था बताते हुए कहा कि इसका विकास उन लोगों की सोच, कार्यों और निर्णयों से होता है, जो इसे व्यवहार में लागू करते हैं। अदालतों में प्रस्तुत किए जाने वाले मामले, तैयार किए जाने वाले अनुबंध, दी जाने वाली कानूनी सलाह और लिखे जाने वाले न्यायिक निर्णय देश में न्याय व्यवस्था को आकार देने में योगदान करते हैं। उनके अनुसार, नए विधि स्नातकों की ज़िम्मेदारी केवल कानूनी प्रक्रियाओं तक सीमित नहीं है। उनके पेशेवर निर्णयों का प्रभाव नागरिकों के अधिकारों, न्याय तक पहुंच और समाज में कानून के प्रति विश्वास पर भी पड़ता है। निजी सुविधा से ऊपर रखें नैतिकता चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से संस्थान में अर्जित मूल्यों को अपने व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन में बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि कानूनी पेशे के माध्यम से समाज की सेवा करने में गहरी संतुष्टि मिल सकती है। अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना, लोगों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करना और संविधान के मूल्यों को बनाए

रखना इस पेशे की महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियां हैं। देश को केवल वकील नहीं, ज़िम्मेदार नागरिक भी चाहिए सीजेआई ने युवा स्नातकों से राष्ट्र के प्रति अपनी व्यापक ज़िम्मेदारी समझने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश उनसे केवल कुशल कानूनी पेशेवर बनने की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि समाज के लिए न्यायिक निर्णय देश में न्याय व्यवस्था को आकार देने की भी उम्मीद रखता है। उन्होंने स्नातकों को याद दिलाया कि संस्थान से निकलकर व्यावसायिक दुनिया में प्रवेश करते समय उन्हें अपने ज्ञान और क्षमताओं का उपयोग व्यापक जनहित में करना चाहिए। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता उनके कार्यों का आधार होनी चाहिए। बेंगलुरु में आयोजित दीक्षांत समारोह का संदेश स्पष्ट रहाकृ को अपने व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन में बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि कानूनी पेशे के माध्यम से समाज की सेवा करने में गहरी संतुष्टि मिल सकती है। अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना, लोगों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करना और संविधान के मूल्यों को बनाए

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
भुवनेश्वर,17 अक्टूबर 2026। ओडिशा के छह विश्वविद्यालयों में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की जीत को लेकर राज्य की राजनीति में बयानबाजी तेज होने की खबर है। छात्रसंघ चुनावों के नतीजों को भारतीय जनता पार्टी



(भाजपा) और बीजू जनता दल (बीजद) के नेता अपने-अपने नजरिये से पेश कर रहे हैं। इन परिणामों ने छात्र राजनीति में बयानबाजी तेज होने की खबर है। छात्रसंघ चुनावों के नतीजों को लेकर भाजपा और बीजद के बीच जारी बयानबाजी के अनुसार, छह विश्वविद्यालयों में एबीवीपी के प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक दलों के बीच अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। हालांकि, जीतने वाले पदों, विश्वविद्यालयों के नाम,

मतों के अंतर और कुल परिणामों का विस्तृत आधिकारिक व्योरा उपलब्ध होने पर ही चुनावी तस्वीर का समग्र आकलन किया जा सकता है। छात्र राजनीति बनी राजनीतिक प्रतिष्ठा का सवाल विश्वविद्यालयों के छात्रसंघ चुनाव सामान्यतः विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दों, शैक्षणिक सुविधाओं, छात्र कल्याण, परिसर की समस्याओं और

सहित अन्य राजनीतिक दल इन नतीजों की व्याख्या अलग ढंग से कर सकते हैं। हालांकि, विश्वविद्यालयों में मिली सफलता को सीधे राज्यव्यापी जनसमर्थन का प्रमाण मानना उचित नहीं होगा। इसके लिए व्यापक चुनावी रुझानों और अन्य राजनीतिक परिस्थितियों का विश्लेषण भी जरूरी है। विद्यार्थियों के मुँह रहे केंद्र में छात्रसंघ चुनावों का वास्तविक महत्व तभी साम आता है, जब निर्वाचित प्रतिनिधि विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान, शिक्षा की गुणवत्ता, छात्रावासों की सुविधाओं, फीस, रोजगारोन्मुखी शिक्षा और परिसर में सुरक्षित वातावरण जैसे मुद्दों पर प्रभावी ढंग से काम करें। राजनीतिक दलों के बीच बयानबाजी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन चुनाव परिणामों पर चर्चा तथ्यों और आधिकारिक आंकड़ों के आधार पर होनी चाहिए। फिलहाल, ओडिशा के छह विश्वविद्यालयों में एबीवीपी की जीत को लेकर राजनीतिक दलों के बीच विस्तृत परिणामों और संबंधित पक्षों के प्रमाणित बयानों की पुष्टि महत्वपूर्ण है। अंततः इन चुनावों की कसौटी केवल राजनीतिक दावे नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के हितों के लिए निर्वाचित प्रतिनिधियों का काम होना चाहिए।

दुर्गा पूजा मेले में खूनी वारदात:आरा में युवक की गोली मारकर हत्या

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
आरा,17 अक्टूबर 2026। बिहार के आरा में दुर्गा पूजा मेले के दौरान एक युवक की गोली मारकर हत्या

की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवक दुर्गा पूजा मेला घूमने आया था, इसी दौरान उसे गोली मार दी गई। हालांकि, घटना के पीछे की

अन्य धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में बड़ी संख्या में लोग परिवार के साथ शामिल होते हैं। ऐसे में भीड़ प्रबंधन, संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की तैनाती, नियमित गश्त और त्वरित आपात प्रतिक्रिया बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। इस तरह की घटनाएं आम लोगों की सुरक्षा को लेकर स्वाभाविक चिंता पैदा करती हैं। पुलिस के सामने अब वारदात के कारणों का पता लगाने, आरोपियों की पहचान करने और कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने की चुनौती है। जांच में प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्य महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। घटना की निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई के साथ-साथ यह भी जरूरी है कि मेले तथा अन्य भीड़भाड़ वाले आयोजनों में सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की जाए। इससे लोगों का भरोसा बनाए रखने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की आशंका कम करने में मदद मिल सकती है।



भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
लखनऊ,17 अक्टूबर 2026। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि देश में अराजकता का माहौल बनाकर सत्ता परिवर्तन की कोशिश की जा रही है। उन्होंने विपक्ष की राजनीतिक गतिविधियों

रही है, वहीं विपक्ष विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरने में जुटा है। विपक्ष पर अराजकता फैलाने का आरोप प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने आरोप लगाया कि विपक्ष लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत राजनीतिक संघर्ष करने के बजाय अराजकता के माध्यम से सत्ता हासिल करना चाहता है। उन्होंने बांग्लादेश में हुए सत्ता परिवर्तन का संदर्भ देते हुए कहा कि भारत में भी उसी तर्ज पर सत्ता परिवर्तन की कोशिश की जा रही है। रक्षा मंत्री ने विपक्ष की मंशा पर सवाल उठाते हुए राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने के प्रयासों का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता प्राप्त करने का रास्ता संवैधानिक प्रक्रियाओं, जनादेश और लोकतांत्रिक मूल्यों से होकर गुजरता है। उनके मुताबिक, राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अराजकता का सहारा लेना लोकतांत्रिक व्यवस्था के

अनुरूप नहीं है। राहुल गांधी को लोकतंत्र की मर्यादा की नसीहत राजनाथ सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें समझना चाहिए कि लोकतंत्र अराजकता से नहीं चलता। उनका यह बयान केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्ष की राजनीतिक लामबंदी और विरोध प्रदर्शनों के बीच आया है। भाजपा की ओर से विपक्ष की रणनीति पर उठाए जा रहे सवालों के बीच इस बयान को सरकार और विपक्ष के बीच बढ़ते राजनीतिक संघर्ष के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, विपक्ष की ओर से इस विशिष्ट आरोप पर क्या प्रतिक्रिया दी गई है, इसकी पुष्टि उपलब्ध विवरण से नहीं होती। आरोप-प्रत्यारोप के बीच लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर बहस देश की राजनीति में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच विभिन्न मुद्दों को लेकर मतभेद लगातार सामने आ रहे हैं। भाजपा

जहां विपक्ष की गतिविधियों को लेकर सवाल उठा रही है, वहीं विपक्ष सरकार की नीतियों और निर्णयों का विरोध कर रहा है। ऐसे माहौल में राजनीतिक दलों के बयानों और आरोपों का मूल्यांकन तथ्यों तथा प्रमाणों के आधार पर किया जाना आवश्यक है। बांग्लादेश की तर्ज पर भारत में सत्ता परिवर्तन की कोशिश किए जाने संबंधी राजनाथ सिंह का बयान एक राजनीतिक आरोप है। इसे प्रमाणित तथ्य मानने के लिए स्वतंत्र और विश्वसनीय साक्ष्य जरूरी हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार और विपक्ष दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करना विपक्ष का दायित्व है, जबकि विरोध और राजनीतिक संघर्ष संवैधानिक दायरे में होना चाहिए। मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम में दोनों पक्षों के रुख और उनके तर्कों पर देश की निगाहें बनी हुई हैं।

भोपाल में 12 वर्षीय बच्ची की मौत से आक्रोश, पुलिस थाने तक पहुंचा लोगों का विरोध

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
भोपाल,17 अक्टूबर 2026। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 12 वर्षीय बच्ची का शव एक खाली इमारत में मिलने की घटना से इलाके में आक्रोश फैलने की खबर है। घटना के बाद लोगों में नाराजगी बढ़ गई और कुछ प्रदर्शनकारियों द्वारा पुलिस थाने में प्रवेश करने की कोशिश किए जाने की जानकारी सामने आई है। इस घटना ने बच्चों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। बच्ची का शव मिलने से इलाके में तनाव उपलब्ध समाचार विवरण के अनुसार, 12 वर्षीय बच्ची का शव एक खाली इमारत में मिला। घटना की जानकारी सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। मामले को लेकर लोगों ने विरोध जताया और पुलिस से कार्रवाई की मांग की। घटना के बाद प्रदर्शनकारियों के पुलिस थाने में प्रवेश करने की कोशिश किए जाने की खबर है। ऐसी परिस्थितियों में

पुलिस और प्रशासन के सामने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ लोगों की चिंताओं को सुनने और मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने की चुनौती रहती

है कि घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, उपलब्ध जानकारी और अन्य प्रासंगिक तथ्यों की बारीकी से जांच की जाए। बच्ची की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए आवश्यक चिकित्सकीय

आएंगी, बल्कि लोगों का कानून-व्यवस्था पर विश्वास बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। बाल सुरक्षा व्यवस्था पर फिर उठे सवाल बच्चों की सुरक्षा परिवार, समाज, शैक्षणिक संस्थानों, स्थानीय प्रशासन और पुलिस की साझा ज़िम्मेदारी है। किसी नाबालिग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की घटना सामने आने पर यह आवश्यक हो जाता है कि सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाए और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। प्रशासन को मामले से संबंधित प्रमाणित जानकारी समय पर सार्वजनिक करनी चाहिए, ताकि अफवाहों और अपुष्ट दावों को फैलने से रोका जा सके। नागरिकों से भी अपेक्षा है कि वे शांति बनाए रखें और जांच प्रक्रिया में बाधा डालने के बजाय कानून के माध्यम से न्याय की मांग करें। भोपाल की इस घटना में बच्ची की मौत के वास्तविक कारणों और ज़िम्मेदार लोगों के संबंध में अंतिम निष्कर्ष जांच के बाद ही सामने आ सकेगा। फिलहाल, मामले की निष्पक्ष जांच, तथ्यों की पुष्टि और कानून के अनुसार कार्रवाई सबसे महत्वपूर्ण है।

ओडिशा में अंत्योदय गृह योजना को 2029 तक विस्तार, ग्रामीण आवास के लाभार्थियों को राहत की उम्मीद

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
भुवनेश्वर,17 अक्टूबर 2026। ओडिशा सरकार ने ग्रामीण आवास से जुड़ी अंत्योदय गृह योजना को वर्ष

ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए सुरक्षित और टिकाऊ आवास आज भी एक बड़ी जरूरत है। ऐसे में आवास योजनाओं केवल घर उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रहतीं,

के साथ यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि लाभार्थियों का चयन निर्धारित नियमों और पात्रता मानकों के अनुसार हो। आवेदन प्रक्रिया, लाभार्थियों की सूची, सहायता राशि तथा आवास निर्माण



2029 तक जारी रखने का फैसला किया है। इस निर्णय से योजना के तहत आवास सहायता की उम्मीद रखने वाले जरूरतमंद परिवारों को लाभ मिलने की संभावना है। अब योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, पात्र लाभार्थियों की पहचान और सहायता वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचाने पर विशेष ध्यान देना महत्वपूर्ण होगा।

बल्कि परिवारों की सुरक्षा, जीवन स्तर और सामाजिक स्थिरता से भी जुड़ी होती हैं। योजना की अवधि बढ़ाए जाने से इसके कार्यान्वयन के लिए अतिरिक्त समय उपलब्ध हो सकता है, लेकिन इसका वास्तविक लाभ पात्र परिवारों तक प्रभावी पहुंच पर निर्भर करेगा। पात्रता और पारदर्शिता होगी अहम कसौटी योजना के विस्तार

की प्रगति से संबंधित जानकारी पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इससे पात्र परिवारों को योजना का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी और शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया भी मजबूत हो सकेगी। ग्रामीण आवास योजनाओं के क्रियान्वयन में कई बार दर्तावेजों की कमी, प्रशासनिक देरी, निर्माण सामग्री की बढ़ती लागत और

स्थानीय स्तर पर समन्वय जैसी चुनौतियां सामने आती हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों और स्थानीय प्रशासन की सक्रिय भूमिका महत्वपूर्ण है। केवल योजना की अवधि बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा; निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी और समयबद्ध सहायता भी आवश्यक है। घोषणा से आगे, जमीन पर लाभ पहुंचाना जरूरी अंत्योदय गृह योजना का उद्देश्य और उसका वास्तविक प्रभाव तभी स्पष्ट होगा, जब पात्र परिवारों को समय पर सहायता मिले और आवास निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरा हो। इसके लिए लाभार्थियों की पहचान से लेकर निर्माण की प्रगति और सहायता वितरण तक जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। ओडिशा सरकार के इस फैसले के बाद अब निगाहें योजना के विस्तृत दिशा-निर्देशों, पात्रता संबंधी प्रावधानों और जमीनी क्रियान्वयन पर रहेंगी। वर्ष 2029 तक योजना जारी रखने का निर्णय ग्रामीण आवास के क्षेत्र में अवसर प्रदान कर सकता है, लेकिन इसकी सफलता का आकलन वास्तविक लाभार्थियों की संख्या, समय पर सहायता और तैयार हुए घरों के आधार पर ही किया जाना चाहिए।